क्र० सं०	केन्द्रीय विद्यालय का नाम
31.	हुब्बल, बेंगलौर
32.	नम्बर 1, गोलकुण्डा
33.	पिकेट, सिकन्दराबाद
34.	ए एस सी , बंगलौर
35.	नम्बर 1, जयपुर
36.	नम्बर 1, जोधपुर (ए०एफ०एस)
37.	नम्बर 1, खेवी नगर
38.	कोटा
39.	नम्बर 1, मथुरा
40.	नम्बर 1, हरिद्वार
41.	रुड़की
42.	नम्बर 2, ए०एस०सी० बरेली
43.	नम्बर 1, जे०आर०सी० बरेली
44.	ए० एम सी०, लखनऊ
45.	नम्बर 1, चकेरी
46.	आई आई टी , कानपुर
47.	मनौरी
48.	फतेहगढ़
49.	आई आई टी० मद्रास
50.	नम्बर 1 कल्पक्कम
51.	ए एफ एस आवड़ी
2.	नम्बर 1 तम्बरम
53.	नम्बर 1 कोचीन
54.	पट्टम, त्रिवेन्द्रम
55.	रामगढ़ कैन्ट
56.	नम्बर 1 गया
57.	दानापुर कैन्ट
58.	कलाकटबाग
59.	हिनी रांची
60.	बी० एच यू० वाराणसी
61.	गोरखपुर
62.	सी सी०एल० रांची
63.	ए एफ०एस० जोरहाट
64.	पोर्ट ब्लेयर

इन सभी विद्यालयों में स्नातकोत्तर शिक्षक (संस्कृत) का एक एक पद है केवल केन्द्रीय विद्यालय नम्बर 1, कोलाबा में स्नातकोत्तर शिक्षकों के दो पद संस्वीकृत किए गए हैं क्योंकि इस स्कूल में सैक्शनों की संख्या अधिक है ।

हुसैन सागर बांध के गहरे जल से भगवान बुद्ध की प्रतिमा का निकाला जाना

347. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भगवान बुद्ध की जो विशाल प्रतिमा हुसैन सागर बांध में गिर गई थी, उसे गहरे जल से बाहर निकाल लिया गया है ;

(ख) क्या इस संबंध में आन्ध्र प्रदेश सरकार ने केन्द्र सरकार से कोई सहायता मांगी है और क्या यह सहायता प्रदान कर दी गई है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भाग्ये गोवर्धन) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

व्यावसायिक शिक्षा देने, नवोदय विद्यालय खोलने और साक्षरता अभियान शुरू किये जाने के लक्ष्य

348. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान व्यावसायिक शिक्षा देने, नवोदय विद्यालय खोलने, साक्षरता अभियान चलाने और निरक्षरता उन्मूलन का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था ;

(ख) इस सम्बन्ध में प्रत्येक क्षेत्र में कितने प्रतिशत सफलता प्राप्त हुई है ; और

(ग) उक्त लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने के क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवे गोवर्धन) : (क) सातवीं योजना अवधि के दौरान निम्न-लिखित लक्ष्य थे:—

(1) व्यावसायिक शिक्षा : व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत 1990 तक+2 स्तर पर 10% छात्रों को शामिल किया जाना ।

(2) नवोदय विद्यालय खोलना : प्रत्येक जिले में औसतन एक नवोदय विद्यालय खोला जाना ।

(3) साक्षरता अभियान और निरक्षरता–उन्मूलन

4.90 लाख निरक्षर प्रौढ़ों का नामांकन ।

(ख) प्रत्येक क्षेत्र में प्राप्त की गई सफलता की प्रतिशतता

(1) व्यावसायिक शिक्षा : 1990 तक +2 स्तर पर लगभग 4% छात्रों को शामिल किया गया था ।

(2) नवोदय विद्यालय खोलना : देश में 454 जिलों में से 26.1 जिलों में नवोदय विद्यालय स्थापित किये गये थे । यह निर्धारित लक्ष्य को 57.5% उपलब्ध है ।

(3) साक्षरता अभियान और निरक्षरता उन्मूलन

396.24 लाख निरक्षर प्रौढ़ों को नामांकित किया गया था जो लक्ष्य का 80.79% है ।

(ग) लक्ष्य प्राप्त न कर सकने के कारण व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति में अन्य बातों के साथ-साथ ये बाधायें थीं–अधिकांश व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिये प्रशिक्षण सुविधाओं की कमी, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के शिक्षकों के लिये औद्योगिक क्षेत्रों और प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयुक्त पारस्परिक संबंध का अभाव नवोदय विद्यालय की योजना के लिये कमी का प्रमुख कारण संसाधनों का अभाव था । साक्षरता अभियान और निरक्षरता उन्मूलन के लिये, निरक्षरों में प्रोत्साहन का अभाव, कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिये स्थानीय समुदाय की अपर्याप्त सहभागिता, अपर्याप्त संचार-माध्यम संबंधी समर्थन कमी के प्रमुख कारण थे ।

मध्य प्रदेश के दमोह जिले में कच्चे तेल की खोज

349. **श्री अजीत जोगी** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के दमोह जिले में कोड़ा गांव के निकट तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा कच्चे तेल की खोज का कार्य कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ;

(ख) क्या कच्चा तेल प्राप्त हो जाने की स्थिति में दमोह जिले में एक तेल शोधक कारखाना स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है ; और

(ग) क्या तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने दमोह जिले में तेल शोधक कारखाना स्थापित करने के लिये स्थान का चयन कर लिया है, और यदि हां, तो, कहां ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) इस समय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा एक कूप जिला दमोह में कोराकला ग्राम के निकट खोदा जा रहा है । इस क्षेत्र में आगे